V. अनुषंगियाँ

1. एसबीआई कैपिटल मार्केट्स लिमिटेड (एसबीआईकैप)

(₹ करोड़)

सहायक कंपनी का नाम	स्वामित्व (एसबीआई शेयर)	स्वामित्व %	वित्त वर्ष 2020 के लिए शुद्ध लाभ (हानियां)
एसबीआई कैपिटल मार्केट्स लि.	58.03	100%	215.42
एसबीआई कैप सिक्यूरिटीज लिमिटेड (एसएसएल)	लागू नहीं		84.94
एसबीआई कैप वेंचर्स लिमिटेड (एसवीएल)			11.01
एसबीआई कैप (युके) लिमिटेड (एसयूएल)			(2.57)
एसबीआई कैप (सिंगापुर) लिमिटेड (एसएसजीएल)			0.46
एसबीआई कैप ट्रस्टी कंपनी लिमिटेड (एसटीसीएल)			20.51

एसबीआईकैप भारत का एक अग्रणी निवेश बैंकर हैं, जो तीन उत्पाद समूहों - प्रोजेक्ट एड्वाइजरी एंव स्ट्रक्चर्ड फाइनैंस, इक्विटी कैपिटल मार्केट्स एवं डैट कैपिटल मार्केट्स के अलग-अलग ग्राहकों को विभिन्न प्रकार की निवेश बैंकिंग एवं कॉरपोरेट सलाहकार सेवाएं उपलब्ध कराता हैं। इन सेवाओं में परियोजना परामर्श, ऋण समूहन, स्ट्रक्चर्ड डैट प्लेसमेंट, विलयन एवं अधिग्रहण, प्राइवेट इक्विटी, पुनःसंरचना परामर्श, दबावग्रस्त आस्ति समाधान, आईपीओ, एफपीओ, राइट्स इश्यू, डैट एवं हाईब्रिड कैपिटल जुटाना, निवेश आईटी एडवायसरी, आरइआईटी एडवायसरी और सीओसी एडवायसरी (उधारदाताओं की समिति) शामिल है। अकेले एसबीआई कैप्स ने वित्त वर्ष 2019 के दौरान ₹242.60 करोड़ की तुलना में वित्त वर्ष 2020 में ₹275.56 करोड़ का कर-पूर्व लाभ दर्ज किया तथा वित्त वर्ष 2019 के दौरान ₹168.19 करोड़ की तुलना में वित्त वर्ष 2020 में ₹215.42 करोड़ का कर-पश्चात लाभ दर्ज किया। पूरे एसबीआई कैप समूह ने पिछले वर्ष ₹236.38 करोड़ की तुलना में चालू वर्ष में ₹334.04 करोड़ का लाभ दर्ज किया।

क. एसबीआई कैप सिक्युरिटीज़ लिमिटेड (एसएसएल)

एसएसएल, एसबीआई कैपिटल मार्केट्स लिमिटेड की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी है, जो खुदरा एवं संस्थागत ग्राहकों को नकदी एवं फ्यूचर तथा ऑप्शन सेग्मेंट दोनों में इक्विटी ब्रोकिंग सेवाएं प्रदान करती है, तथा यह म्यूचुअल फंड, टैक्स फ्री बॉन्ड, गृह ऋण, ऑटो ऋण, जैसे अन्य वित्तीय उत्पादों की बिक्री एवं वितरण का कार्य भी करती है।

एसएसएल की 100 से अधिक शाखाएं हैं, जो खुदरा एवं संस्थागत ग्राहकों को डीमैट, ई-ब्रोकिंग, ई-आईपीओ एवं ई-एमएफ जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराती हैं। वर्तमान में एसएसएल के लगभग 20 लाख ग्राहक हैं। कंपनी को वित्त वर्ष 2019 में ₹404.52 करोड़ की तुलना में वित्त वर्ष 2020 में ₹495.95 करोड़ की कुल आमदनी हुई।

ख. एसबीआई कैप वेंचर्स लिमिटेड (एसवीएल)

एसवीएल, एसबीआई कैपिटल मार्केट्स लिमिटेड की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी है। एसवीएल, आस्ति प्रबंधन कंपनी के रूप में काम कर रही है। वर्तमान में एसवीएल द्वारा तीन फंड - 'नीव (एनईईवी) फंड, एसडबल्यूएएमआईएच निवेश फंड I तथा एसवीएल-एसएमई का प्रबंधन किया जा रहा है।

नीव फंड

नीव फंड, एआईएफ श्रेणी I इंफ्रास्ट्रक्चर फंड है। इस निधि की 31 मार्च 2019 की आखिरी संग्रह राशि ₹430.23 करोड़ थी, जो 10 से अधिक पोर्टफोलियों कंपनियों में निवेश की गई हैं।

एसडबल्युएएमआईएच निवेश निधि I

14 सितंबर, 2019 को माननीय वित्त मंत्री ने रुकी हुई किफायती/मध्य आय वाली आवास परियोजनाओं को पूरा करने के लिए अंतिम मील वित्त प्रदान करने के लिए एक विशेष खिड़की स्थापित करने की घोषणा की। इस खिड़की (विंडो) के तहत गठित सर्वप्रथम वैकल्पिक निवेश निधि (एआईएफ) के निवेश प्रबंधक के रूप में एसबीआईकैप वेंचर्स ने सेबी विनियमों के तहत द्वितीय एआईएफ श्रेणी के रूप में एसडबल्युएएमआईएच निवेश निधि I ("फंड") का पंजीकरण पूरा किया।

एआईएफ के पास 12,500 करोड़ रुपये की लक्ष्य राशि (टारगेट साइज) है और 12,500 करोड़ रुपये का ग्रीन शू ऑप्शन मौजूद है। इस फंड ने 6 दिसंबर 2019 को अपनी पहली क्लोजिंग 10,037.50 करोड़ रुपये में भारत सरकार, एसबीआई, एलआईसी, एचडीएफसी लिमिटेड और सभी प्रमुख सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों को फंड में निवेशक के रूप में हासिल किया है। एसडब्लूएमआइएच फंड टीम डेवलपर्स से मिलने और फंड के बारे में जानकारी प्रदान करने के लिए पहले ही प्रमुख शहरों में कई बैठके आयोजित कर चुकी है।

एसएमई फंड

एसएमई फंड भी 19/11/2018 को शुरू किया गया था, एसएमई फंड के लिए कानूनी और कर सलाहकार और ट्रस्टी नियुक्त किए गए हैं और यह निवेश प्रबंधन समझौते और योगदान समझौते का मसौदा तैयार करने की प्रक्रिया में है। ट्रस्ट का पंजीकरण हो चुका है और फंड के लिए सेबी के पास पंजीकरण पूरा होने की सूचना 25/09/2019 को मिली थी। कंपनी एसएमई फंड में निवेश के लिए संभावित निवेशकों से चर्चा करने की प्रक्रिया में है।

ग. एसबीआईकैप (यूके) लिमिटेड (एसयूएल)

एसयूएल, एसबीआई कैपिटल मार्केट्स लिमिटेड की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी है। एसयूएल अपने आपको यूके एवं यूरोप में एसबीआई कैपिटल मार्केट्स लिमिटेड के रिलेशनशिप आउटफिट के रूप में स्थापित कर रही है। एसबीआईकैप के व्यवसाय उत्पादों के विपणन के लिए इसने विदेशी संस्थागत निवेशकों, वित्तीय संस्थानों, कानूनी फर्मों, लेखा फर्मों आदि के साथ संबंध बनाए रखा है। एसबीआई लंदन के पास भी एसयूएल द्वारा किए जानेवाले कार्यों को अंजाम देने के लिए अपेक्षित विनियामक अनुमोदन प्राप्त है। परिचालन दक्षता में बढ़ोतरी और लागत को कम करने के लिए, एसयूएल को बंद करने और एसबीआई लंदन के माध्यम से एसयूएल द्वारा संचालित व्यवसाय को पूरा करने का निर्णय लिया गया है।

घ. एसबीआईकैप (सिंगापुर) लिमिटेड (एसएसजीएल)

एसएसजीएल, एसबीआई कैपिटल मार्केट्स लिमिटेड की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी है। एसएसजीएल ने दिसंबर 2012 में व्यवसाय आरंभ किया। एसबीआईकैप के व्यवसाय उत्पादों के विपणन हेतु विदेशी संस्थागत निवेशकों, वित्तीय संस्थानों, कानूनी फर्मों, लेखा फर्मों आदि के साथ संबंध बनाए जा रहे हैं। इसे विदेशी मुद्रा बॉन्ड के विपणन तथा एसबीआईकैप सिक्युरिटीज़ के लिए ग्राहक लाने में विशेषज्ञता हासिल है।

ङ. एसबीआईकैप ट्रस्टी कंपनी लिमिटेड (एसटीसीएल)

एसबीआईकैप ट्रस्टी कंपनी लिमिटेड (एसटीसीएल), एसबीआई कैपिटल मार्केट्स लिमिटेड की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी है। एसटीसीएल ने 01 अगस्त 2008 से सिक्युरिटी ट्रस्टी व्यवसाय आरंभ किया। एसटीसीएल ने वित्त वर्ष 2019 में ₹14.90 करोड़ की तुलना में वित्त वर्ष 2020 में ₹20.51 करोड़ का शुद्ध लाभ दर्ज किया है। एसटीसीएल इंफ्रा परियोजनाओं, बड़े और मध्यम कॉरपोरेटों को उच्च मूल्य ऋण देने के लिए सुरक्षा ट्रस्टी सेवाएं प्रदान करने में सक्रिय भूमिका निभाता है और उद्योग में अग्रणी सुरक्षा ट्रस्टी है। डिबेंचर/बॉन्ड मार्केट में डिबेंचर ट्रस्टी के रूप में भी उनकी महत्वपूर्ण उपस्थिति है। एसटीसीएल ने वर्चुअल डेटा रूम (वीडीआर) प्लेटफॉर्म शुरू किया है, जो तनावग्रस्त परिसंपत्तियों के संभावित खरीदारों को एआरसी और उधारदाताओं द्वारा जानकारी के प्रसार में मदद करेगा।

2. एसबीआई डीएफएचआई लिमिटेड (एसबीआई डीएफएचआई)

(₹ करोड़)

सहायक कंपनी का नाम	स्वामित्व (एसबीआई शेयर)	स्वामित्व %	वित्त वर्ष 2020 के लिए शुद्ध लाभ (हानियां)
एसबीआई डीएफएचआई लिमिटेड	131.52	69.04%	176.34

एसबीआई डीएफएचआई लिमिटेड अखिल भारतीय उपस्थिति के साथ सबसे बड़े स्टैंडअलोन प्राथमिक डीलरों में से एक हैं। प्राथमिक डीलर होने के कारण, यह अनिवार्य है कि प्राथमिक नीलामियों में पुस्तक निर्माण प्रक्रिया का समर्थन करे और सरकारी प्रतिभूतियों में द्वितीयक बाजारों को गहराई और चलनिधि प्रदान करे। सरकारी प्रतिभूतियों के अलावा, यह मुद्रा बाजार साधनों, गैर सरकारी प्रतिभूति ऋण लिखतों पर भी सौदा करते हैं। पीडी के रूप में , इनके व्यापार कार्यकलाप को आरबीआई द्वारा विनियमित किया जा रहा है।

कंपनी में भारतीय स्टेट बैंक समूह का 72.17% (एसबीआई-69.04% और एसबीआई कैपिटल मार्केट लि. 3.13%) हिस्सा है, जो 31 मार्च 2019 के ₹76.85 करोड़ की तुलना में 31 मार्च 2020 को ₹176.34 करोड़ का शुद्ध लाभ दर्ज किया है। कुल तुलन पत्र का आकार 31 मार्च 2019 के ₹ 7,357.25 करोड़ की तुलना में 31 मार्च 2020 को ₹ 11,383.36 करोड़ रहा।

3. एसबीआई कार्ड्स एंड पेमेंट सर्विसेज लिमिटेड (एसबीआईसीपीएसएल) (इससे पहले एसबीआई कार्ड्स एंड पेमेंट सर्विसेज प्राईवेट. लिमिटेड)

(₹ करोड़)

सहायक कंपनी का नाम	स्वामित्व (एसबीआई शेयर)	स्वामित्व %	वित्त वर्ष 2020 के लिए शुद्ध लाभ (हानियां)
एसबीआई कार्ड्स एंड पेमेंट सर्विसेज लि	652.63	69.51%	1,245 (कोविड पूर्व 1,662)

नोटः कोविड पूर्वः वित्त वर्ष 2020 की चौथी तिमाही में अतरिक्त ऋण प्रावधान के लिए 489 करोड़ रुपये एवं विलंब शुल्क रिवर्सल के लिए 90 करोड़ रुपये को छोड़ने और कर के लिए समायोजन करने के बाद

एसबीआई कार्ड्स एंड पेमेंट सर्विसेज लि. (एसबीआईसीपीएसएल) भारतीय स्टेट बैंक की अनुषंगी है, जिसमें भारतीय स्टेट बैंक का 69.51% हिस्सा है। एसबीआई कार्डस एंड पेमेंट्स (इससे पहले एसबीआई कार्डस एंड पेमेंट सर्विसेज प्रा. लि.) (एसबीआई कार्ड) एक गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी है, जिसका व्यक्तियों और कॉरपोरेट ग्राहकों को लाइफस्टाइल, रिवार्ड्स, यात्रा और ईंधन तथा बैंकिंग पार्टनरशिप कार्ड सहित व्यापक क्रेडिट कार्ड पोर्टफोलिओ है। कॉरपोरेट कार्ड में आय प्रोफाइल और लाइफस्टाइल के अनुरूप सभी प्रकार के प्रमुख कार्डधारक वर्ग को शामिल किया गया है। उसके पास विविध प्रकार के ग्राहक जोड़ने का व्यापक नेटवर्क उपलब्ध है, जो संभावित ग्राहकों को विविध प्रकार के चैनलों के माध्यम से सेवाएं देती है।

इसके अलावा, एसबीआई कार्ड्स के आईपीओ द्वारा महत्वपूर्ण मूल्य सृजन की सूचना मिली है और आने वाले समय में मूल्य सृजन की मजबूत क्षमता के साथ भविष्य के उद्योग अग्रणियों को बनाने और पोषित करने की बैंक

श्री हरदयाल प्रसाद, प्रबंध निदेशक एवं सीईओ, एस.बी.आई कार्डस एंड पेमेंट सर्विसेज लिमिटेड दिनांक 16 मार्च 2020 को बम्बई स्टॉक एक्स्चेंज में एस बी आई कार्ड्स एंड पेमेंट सर्विसेस लिमिटेड के शेयरों की लिस्टिंग के अवसर पर माननीय अध्यक्ष महोदय का स्वागत करते हुए

की क्षमता का एक मजबूत संकेत है । 31 मार्च, 2020 को समाप्त तिमाही के दौरान, कंपनी ₹ 10 के 137,149,314 इक्विटी शेयरों के प्रारंभिक पब्लिक इश्यु निर्गमित किया, जिसमें 6,622,516 इक्विटी शेयरों का नया इश्यु और 130,526,798 इक्विटी शेयरों की बिक्री का प्रस्ताव शामिल था। निर्गम की कुल राशि ₹ 1,034,078.82 लाख रही (शेयरधारकों की ₹ 984,146.35 लाख और कंपनी के ₹ 49,932.47 लाख की बिक्री)। कंपनी के इक्विटी शेयर 16 मार्च, 2020 को बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड पर सूचीबद्ध किए गए थे।

कंपनी ने वित्त वर्ष 2019 के ₹ 865 करोड़ की तुलना में 44% की वर्षानुवर्ष वृद्धि दर पर वित्त वर्ष 2020 में ₹ 1,245 करोड़ का कर-पश्चात (पीएटी) लाभ दिया (वित्त वर्ष 2020 में 92% की वर्षानुवर्ष वृद्धि पर कोविड पूर्व पीएटी ₹ 1,662 करोड़)।

वित्तीय प्रदर्शन (वित्त वर्ष 2020)

- पीएटी 44% से बढ़कर ₹ 1,245 करोड़ रहा (कोविड पूर्व ₹1,662 करोड़; 92% वृद्धि)।
- आरओएए 64 आधार अंक से बढ़कर 5.5 % रहा (कोविड पूर्व 7.2 %)
- आरओएई 27.4% पर (वित्त वर्ष 19: 28.4%; वित्त वर्ष 20 कोविड पूर्व 35.0% पर)
- पूंजी पर्याप्तता अनुपात (सीएआर) 22.4% पर (वित्त वर्ष 2019: 20.1%); टियर 1 17.7% पर (वित्त वर्ष 2019: 14.9%)

महत्वपूर्ण मेट्रिक्स

- कार्ड की संख्या में 28% वृद्धि होकर ₹ 1.05 करोड़ हुई, खर्च 27% बढ़कर ₹130,915 करोड़ रुपये हो गया, प्राप्य राशियां 30% से बढ़कर ₹24,141 करोड़ हुईं।
- बाजार अंश- कार्ड 18.2%, 68 आधार अंक की बढ़ोतरी; खर्च 17.9% पर, 77 आधार अंक बढ़ोतरी (जनवरी 20 तक)
- लागत की तुलना में आय अनुपात में 388 आधार अंक वृद्धि के फलस्वरूप 56.6%
- सकल एनपीए में 43 आधार अंक कमी के कारण 2.01% तक सुधार

वित्त वर्ष 20 के दौरान प्राप्त महत्वपूर्ण पुरस्कार:

- सबसे कारगर व्यवस्था: लंदन में वैश्विक 'अनुपालन रजिस्टर प्लेटिनम पुरस्कार 2019' में वित्तीय अपराध रोकथाम और प्रतिबंध अनुपालन पुरस्कार।
- सैन फ्रांसिस्को में 2019 में वर्ष के ग्राहक सेवा विभाग की श्रेणियों में गोल्डन ब्रिज पुरस्कार
- वियाना में अंतरराष्ट्रीय बिजनेस अवार्डस द्वारा 2019 में वर्ष के ग्राहक सेवा कार्यपालक के लिए स्टीव (गोल्ड अवार्ड) और वर्ष के ग्राहक सेवा विभाग के लिए स्टीव (रजत पुरस्कार)
- शंघाई, चीन में आयोजित वीजा सुरक्षा सम्मिट 2019 में दक्षिण एशिया क्षेत्र के लिए चैंपियन सुरक्षा पुरस्कार।

4. एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड (एसबीआई लाइफ)

(₹ करोड़)

सहायक कंपनी का नाम	स्वामित्व (एसबीआई शेयर)	स्वामित्व %	वित्त वर्ष 2020 के लिए शुद्ध लाभ (हानियां)
एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड	575.99	57.60%	1,422

एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड भारत की अग्रणी सूचीबद्ध जीवन बीमा कंपनी में से एक है। 2001 में स्थापित यह कंपनी विभिन्न प्रकार के व्यक्तिगत और समूह बीमा समाधान मुहैया कराती है, जो ग्राहकों के जीवन काल के विभिन्न चरणों की जरूरतों को पूरा करती है। उत्पादों में बचत, संरक्षण, पेंशन, स्वास्थ्य आदि शामिल हैं। 31 मार्च, 2020 तक भारतीय स्टेट बैंक और बीएनपी पारिबास कार्डिफ जैसे प्रमोटरों के पास क्रमशः 57.6% और 5.2% इक्विटी शेयर पूंजी मौजूद थी। इस कंपनी के ईक्विटी शेयर नेशनल स्टाक एक्सचेंज लिमिटेड (एनएससी) एवं बंबई स्टाक एकस्चेंज लिमिटेड (बीएससी) में सूचीबद्ध किए गए हैं।

एसबीआई लाइफ के पास बहुविध संवितरण नेटवर्क है, जिसमें स्टेट बैंक भारत का बड़ा बैंक एश्योरेंस भागीदार है, सहित व्यापक बैंक एश्योरेंस चैनल, 31 मार्च 2020 को 130,418 एजेंटों वाला वैयक्तिक एजेंट नेटवर्क तथा सीधी बिक्री एवं कॉरपोरेट एजेंटों, ब्रोकरों, बीमा विपणन संस्थाओं एवं अन्य मध्यवर्ती संस्थाओं के जरिए बिक्री सहित अन्य संवितरण चैनल शामिल हैं।

31 मार्च 2020 को समाप्त वर्ष के दौरान कंपनी ने बीमा व्यापार को विस्तारित करने और व्यावहारिक एवं विवेकपूर्ण कार्यनीति के जरिए वैयक्तिक नियमित बिजनेस पर ध्यान देने, बिक्री दल द्वारा गुणवत्ता एवं मात्रा बनाए रखने के एकमात्र उद्देश्य से सुदृढ़ एवं स्थायी रीति से कार्य किया और स्थायी बाजार स्थिति बनाई। कंपनी ने 31 मार्च 2020 को समाप्त वर्ष में निजी बीमा कंपनियों के बीच नए बिजनेस प्रीमियम में प्रथम स्थान पर रहते हुए यह साबित कर दिया कि वह बाजार में अग्रणी है।

वैयक्तिक व्यवसाय हमेशा से ही कंपनी की प्रमुख कार्यनीति का हिस्सा रहा है। 4% उद्योग वृद्धि दर की तुलना में वैयक्तिक नए बिजनेस प्रीमियम में कंपनी की 17% वृद्धि परिलक्षित हुई। 31 मार्च 2020 को सभी निजी बीमाकर्ताओं के बीच एसबीआई लाइफ रिटेल नया व्यवसाय प्रीमियम का हिस्सा 22.4% रहा। वित्त वर्ष 2020 के लिए कंपनी का कुल नया व्यवसाय ₹16,592 करोड़ रहा, जो 26% अधिक है।

जारी की गई पॉलिसियों की संख्या के अनुसार निजी बीमाकर्ताओं के बीच कंपनी की स्थिति अग्रणी रही, वित्त वर्ष में जीवन बीमाकर्ताओं के बीच पूरे देश में व्यापक कवरेज एवं मजबूत बाजार स्वीकृति परिलक्षित होती है। इस अवधि में कुल 15,51,862 नई वैयक्तिक पॉलिसियां जारी की गईं और इसमें 2% की वृद्धि हुई।

एसबीआई लाइफ ने वित्त वर्ष 2019 में ₹1,327 करोड़ के शुद्ध लाभ की तुलना में वित्त वर्ष 2020 में ₹1,422 करोड़ का लाभ दर्ज किया, जो 7% की वृद्धि है। यह निजी जीवन बीमा कंपनियों में प्रबंधन के तहत सबसे बड़ी संपत्ति है। कंपनी के एयूएम ने 31 मार्च 2020 तक 14% की वृद्धि दर्ज की, जिससे यह ₹1,60,363 करोड़ रही, जबकि 31 मार्च 2019 तक यह ₹1,41,024 करोड़ थी। 31 मार्च 2020 को 20.5% के एम्बेडेड मूल्य पर परिचालन प्रतिलाभ, अपने वर्ग में सबसे अच्छे में से एक है।

अपने 937 कार्यालय नेटवर्क के माध्यम से अपनी व्यापक पहुंच का उपयोग करते हुए, एसबीआई लाइफ ने व्यवस्थित ढंग से अपने व्यापक ग्रामीण नेटवर्क को बीमा सुविधाएँ उपलब्ध कराईं।

वर्ष के दौरान प्राप्त पुरस्कार और सम्मान:

1. आईसीसी इमर्जिंग एशिया इंश्योरेंस कॉन्क्लेव एंड अवाड्र्स 2019 में 'सर्वश्रेष्ठ जीवन बीमा कंपनी' पुरस्कार।
2. गोल्ड अवार्ड विजेता - आउटलुक मनी कॉन्क्लेव एंड अवाड्र्स में वर्ष 2019 (निजी क्षेत्र) के जीवन बीमा प्रदाता पुरस्कार।
3. ईटी इंश्योरेंस सम्मिट 2019 में बृहद् श्रेणी में "स्मार्ट लाइफ इंश्योरेंस अवार्ड" पुरस्कार।
4. आईसीएआई पुरस्कार 2019 में "वित्तीय रिपोर्टिंग में उत्कृष्टता" के लिए स्वर्ण शील्ड पुरस्कार।
5. डून एंड ब्रैडस्ट्रीट द्वारा बीएफएसआई सम्मिट एंड अवार्डस 2019 में 'भारत की अग्रणी जीवन बीमा कंपनी - निजी' श्रेणी के तहत कंपनी प्रदर्शन पुरस्कार।

5. एसबीआई फंड्स मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड (एसबीआईएफएमपीएल)

(₹ करोड़)

सहायक कंपनी का नाम	स्वामित्व (एसबीआई शेयर)	स्वामित्व %	वित्त वर्ष 2020 के लिए शुद्ध लाभ (हानियां)
एसबीआई फंड्स मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड	31.50	63%	603.45
एसबीआई म्युचुअल फंड ट्रस्टी कंपनी प्रा.लि.	0.10	100%	1.95
एसबीआई फंड्स मैनेजमेंट (इंटरनेशनल) प्रा.लि.	100% एसबीआई फंड्स मैनेजमेंट प्रा.लि. द्वारा	63%	2.41

एसबीआईएफएमपीएल, एसबीआई और अमुंडी (फ्रांस) के बीच का संयुक्त उद्यम है, जो दुनिया की अग्रणी फंड प्रबंधन कंपनियों में से एक है। 2019-20 में 10.4% के औद्योगिक औसत की तुलना में 31.5% से ज्यादा वृद्धि के साथ सबसे तेजी से बढ़ने वाली एएमसी में से एक है। पिछले तीन वर्षों में एसबीआईएफएम ने करीब 13.9% के औद्योगिक औसत की तुलना में 33.4% का सीएजीआर हासिल की है।

क्यूएएयूएम के अनुसार 31 मार्च को समाप्त तिमाही को यह फंड दो रैंक का सुधार करते हुए भारत के सबसे बड़ी म्युचुअल फंड मैनेजर रही, जिसके तिमाही औसत प्रबंध के तहत परिसंपत्तियाँ ₹3,73,537 करोड़ रहीं। 31 मार्च 2020 को एसबीआईएफएमपीएल के प्रबंध तथा परामर्श के तहत ₹10,33,663 करोड़ की कुल संपत्तियां थीं।

एसबीआईएफएमपीएल के पास वर्ष के दौरान जोड़े गए 13 लाख ग्राहकों सहित लगभग 109 लाख निवेशकों का सबसे बड़ा निवेशक आधार मौजूद है। कंपनी के पास 1236 रिटायरमेंट फंडों को मिलाकर 14.5 लाख प्रत्यक्ष निवेशक और 2.5 लाख संस्थागत निवेशक हैं। एसबीआईएफएमपीएल देश का सबसे बड़ा ईटीएफ प्रबंधक है।

भारतीय लेखा मानक (आईएडीएएस) के तहत एसबीआईएफएमपीएल ने मार्च 2019 को समाप्त वर्ष के दौरान अर्जित किए ₹427.54 करोड़ की तुलना में मार्च 2020 वर्ष की समाप्ति के दौरान ₹603.45 करोड़ का कर पश्चात लाभ अर्जित किया। मार्च 2019 की तिमाही के दौरान 11.59% बाजार में हिस्सेदारी के साथ ₹2,83,807 करोड़ की औसतन प्रबंधन के तहत परिसंपत्तियों की तुलना में कंपनी के औसतन प्रबंधन के तहत परिसंपत्तियां (एयूएम) मार्च 2020 को समाप्त तिमाही के दौरान 13.82% बाजार में हिस्सेदारी के साथ ₹3,73,537 करोड़ थी। इस कंपनी के पास एसबीआई फंड प्रबंधन (अंतरराष्ट्रीय) प्राइवेट लिमिटेड नाम की एक पूरी स्वामित्व वाली विदेशी सहायक कंपनी है, जो मॉरीशस में स्थित है और ऑफ-शोर फंड का प्रबंधन करती है। एसबीआईएफएमपीएल पोर्टफोलियो प्रबंधन सेवाएं (पीएमएस) और विकल्प निवेश फंड उपलब्ध कराती है।

6. एसबीआई ग्लोबल फैक्टर्स लिमिटेड (एसबीआईजीएफएल)

(₹ करोड़)

सहायक कंपनी का नाम	स्वामित्व (एसबीआई शेयर)	स्वामित्व %	वित्त वर्ष 2020 के लिए शुद्ध लाभ (हानियां)
एसबीआई ग्लोबल फैक्टर्स लिमिटेड	137.79	86.18%	16.77

एसबीआईजीएफएल घरेलू तथा अंतरराष्ट्रीय व्यापार के लिए अग्रणी फैक्टरिंग सेवाएँ मुहैया कराती है। एसबीआई की इस कंपनी में 86.18% शेयरधारिता है। कंपनी की सेवाएं ऐसे एमएसएमई ग्राहकों के लिए विशेष रूप से उपयोगी हैं, जो बही ऋणों में फंसे संसाधनों को मुक्त कराना चाहते हैं। फैक्टर्स चेन इंटरनेशनल (एफसीआई) का सदस्य होने के कारण कंपनी निर्यात प्राप्य राशियों से होने वाले क्रेडिट जोखिम को 2-फैक्टर मॉडेल के तहत कम करने में सक्षम है।

कंपनी ने वित्त वर्ष 2019 में ₹ 4.28 करोड़ की तुलना में वित्त वर्ष 2020 में ₹40.28 करोड़ का कर पूर्व लाभ (पीबीटी) रिपोर्ट किया। गत वर्ष में ₹ 4.28 करोड़ की तुलना में चालू वर्ष में कर पश्चात लाभ (पीएटी) ₹ 16.77 करोड़ है (आईएनडी एएस के अनुसार)। वित्त वर्ष 2019 के ₹ 4,387 करोड़ की तुलना में वित्त वर्ष 2020 में 12 माह के दौरान ₹ 4,394 करोड़ टर्नओवर रहा है। 31 मार्च 2019 को ₹ 1,374 करोड़ की तुलना में 31 मार्च 2020 के दौरान ₹ 1,317 करोड़ फंड इन यूस (एफआईयू) रहा। यद्यपि पिछले वर्ष के ₹1211 करोड़ की तुलना में वित्त वर्ष 2019-20 में औसत फंड इन यूस बढ़कर ₹1305 करोड़ रहा। गत वर्ष के ₹108.64 करोड़ की तुलना में कंपनी की कुल आय बढ़कर वित्त वर्ष 2019-20 में ₹118.65 करोड़ रही।

7. एसबीआई जनरल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड (एसबीआईजीआईसी)

(₹ करोड़ में)

सहायक कंपनी का नाम	स्वामित्व (शेयर पूँजी - एसबीआई की हितधारिता)	स्वामित्व का %	वित्त वर्ष 2020 में शुद्ध लाभ (हानि)
एसबीआई जनरल इंश्योरेंश कंपनी लिमिटेड	151 करोड़	70%	412

एसबीआईजीआईसी, भारतीय स्टेट बैंक एवं आस्ट्रेलिया की आईएजी लिमिटेड की अनुषंगी आईएजी इन्टरनेशनल प्राइवेट लिमिटेड के बीच का संयुक्त उद्यम है। वर्ष 2018 के मध्य में लघु विनिवेश के बाद अब कुल पूंजी में से एसबीआई की 70% हिस्सेदारी है, जबकि आईएजी जो पूर्व का 26% का संयुक्त उद्यम भागीदार था, ने अपने पूरे हिस्से का विनिवेश कर मार्च 2020 में पूर्ण रूप से बाहर आ गया। 4% की एसबीआई की विनिवेश ईक्विटी पीआई आपर्चुनिटीज फंड-1 (2.35%) एवं एक्सिस न्यू आपर्चुनिटीज फंड-एआईएफ-1 (1.65%) रखी गई है, जबकि आईएजी के 26% हिस्से को नेपियन आपर्चुनिटीज एलएलपी (16.01%) एवं हनी वीट इन्वेस्ट्मेंट्स लिमिटेड (9.99%) द्वारा खरीदा गया है। एसबीआई जनरल इंश्योरेंस भारत की पहली गैर-जीवन बीमा कंपनी बन गई है, जिसने अपने एक दशब्दी के परिचालनों में 6000 करोड़ रुपए को पार किया है।

कंपनी की प्रगति की आकांक्षा की आधारशिला, व्यवसाय उद्देश्यों को पूरा करने तथा लाभप्रदता बढ़ाने हेतु अन्य चैनलों एवं उत्पादों को विकसित करते हुए बैंक चैनल पर केंद्रित है। वित्त वर्ष 2020 में कोविद-19 के कारण उत्पन्न संकट का सामना करने के लिए एसबीआई जनरल ने सख्त व्यवसाय निरंतरता योजना पर ध्यान दिया है और क्षमताएँ भी विकसित किया है। कंपनी ने लाभप्रद संवृद्धि, कुशल व्यय प्रबंधन एवं व्यवसाय निरंतरता योजना का लक्ष्य प्राप्त करने के लिए कार्यनीतियाँ भी बनाई है, जिनका वित्त वर्ष 2020 में पर्याप्त लाभ मिला।

एसबीआई जनरल ने वित्त वर्ष 2020 में 6,840 करोड़ रुपए का कुल लिखित प्रीमियम (जीडब्ल्यूपी) दर्ज किया है, जो 12% की उद्योग संवृद्धि की तुलना में 45% वृद्धि है।

वित्त वर्ष में एसबीआई जनरल ने 412 करोड़ रुपए का लाभ दर्ज किया। कंपनी ने वित्त वर्ष के 470 करोड़ रुपए की तुलना में वित्त वर्ष 2020 में 564 करोड़ रुपए का कर पूर्व लाभ अर्जित किया, जो 20% वृद्धि है।

वित्त वर्ष 2020 में कंपनी का कुल मार्केट शेयर सभी सामान्य बीमा कंपनियों के बीच 3.59% रहा, जबकि वित्त वर्ष 2019 में यह 2.77% रहा। एसबीआई जनरल निजी बीमा कंपनियों में 8वे स्थान और उद्योग में 13वे स्थान पर है। एसबीआईजीआईसी वित्त वर्ष 2020 में 'व्यक्तिगत दुर्घटना' एव "आग" के मामले में गैर-सरकारी बीमा कंपनियों और समग्र इंडस्ट्री दोनों में अग्रणी रहा है।

एसबीआई जनरल को लगातार चौथी बार अत्यधिक दावों के भुगतान की क्षमता रखने के लिए आईसीआरए की एएए रेटिंग प्राप्त हुई। कंपनी को आउटलुक मनी पुरस्कारों में "वर्ष के गैर-जीवन बीमा सुविधाप्रदाता" श्रेणी में "सिल्वर" पुरस्कार मिला। साथ ही कंपनी को छठे ईटी इन्श्युरेंस सम्मिट के दौरान बीमा खंड के अंतर्गत दूसरे बीमा पुरस्कारों में से स्मार्ट जीआई कंपैक्ट पुरस्कार भी मिला। उपर्युक्त पुरस्कारों के अलावा, कंपनी को वित्त वर्ष 2020 के दौरान कई प्रतिष्ठात्मक पुरस्कार भी मिले।

8. एसबीआई एसजी ग्लोबल सिक्योरिटीज सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड (एसबीआई-एसजी)

एसबीआई-एसजी भारतीय स्टेट बैंक और सोसाइटी जेनरल के बीच एक संयुक्त उद्यम है, जिसमें एसबीआई की हिस्सेदारी 65% है। कंपनी की स्थापना एसबीआई समूह द्वारा प्रस्तावित प्रमुख वित्तीय सेवाओं की श्रृंखला को पूरा करने के लिए उच्च गुणवत्ता वाली कस्टोडियल एवं फंड प्रशासन की पेशकश करने के लिए की गई थी। एसबीआई-एसजी ने 2010 में वाणिज्यिक परिचालन शुरू किया। 31 मार्च 2020 को कंपनी का निवल लाभ ₹ 61.96 करोड़ था, जबकि 31 मार्च 2019 को ₹ 34.45 करोड़ था। संचित लाभ 141.86 करोड़ रुपए है।

मार्च 2020 तक एसेट्स अंडर कस्टडी ₹ 7,33,983 करोड़ हो गई, जबकि मार्च 2019 तक ये ₹ 5,40,919 करोड़ थी। औसत एसेट्स अंडर एडमिनिस्ट्रेशन मार्च 2020 में ₹ 5,43,697 करोड़ था, जबकि मार्च 2019 में यह ₹ 3,18, 198 करोड़ था।

(₹ करोड़ में)

सहायक कंपनी का नाम	स्वामित्व (एसबीआई ब्याज)	स्वामित्व का%	शुद्ध लाभ वित्तीय वर्ष 2019-20
एसबीआई एसजी ग्लोबल सिक्योरिटीज सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड	52	65%	61.96

9. एसबीआई पेंशन फंड्स प्राइवेट लिमिटेड (एसबीआईपीएफपीएल)

(₹ करोड़ में)

सहायक कंपनी का नाम	स्वामित्व (एसबीआई की हिस्सेदारी)	स्वामित्व का %	वित्त वर्ष 2020 को निवल लाभ (हानियाँ)
एसबीआई पैंशन फंड्स प्राइवेट लिमिटेड *	18	60%	2.28

*एसबीआई कैपिटल मार्केट्स लिमिटेड तथा एसबीआई फंड्स मैनेजमेंट लिमिटेड में से प्रत्येक की कंपनी में 20% इक्विटी होल्डिंग है।

नैशनल पेंशन फंड सिस्टम (एनपीएस) के अंतर्गत पेंशन निधि के प्रबंध का कार्य एसबीआईपीएफपीएल तथा छह अन्य पेंशन फंड मैनेजरों (पीएफएम) को सौंपा गया है। पेंशन निधि विनियामक और विकास प्राधिकरण (पीएफआरडीए) द्वारा केंद्रीय सरकार (सशस्त्र बलों को छोड़कर) तथा राज्य सरकारों के कर्मचारियों के पेंशन फंडों के प्रबंध के लिए नियुक्त तीन पीएफएम में तथा निजी क्षेत्र के पेंशन फंडों के लिए नियुक्त सात पीएफएम में एसबीआईपीएफपीएल शामिल है। 31 मार्च 2019 को ₹ 1,21,959 करोड़ के मुकाबले 31 मार्च 2020 को कंपनी की कुल प्रबंधनाधीन आस्तियां (एयूएम) ₹ 1,60,491 करोड़ (वर्षानुवर्ष 32% की संवृद्धि) थीं।

प्रबंधनाधीन आस्तियों (एयूएम) के मामले में सरकारी तथा निजी क्षेत्र पीएफएम के बीच कंपनी की अग्रणी स्थिति बनी हुई है। प्रबंधनाधीन आस्तियों (एयूएम) में कंपनी का कुल मार्केट शेयर निजी क्षेत्र में 58% तथा सरकारी सैक्टर में 35% था।

आउटलुक मनी ने वर्ष 2019 के दौरान पेंशन फंड मैनेजर श्रेणी में कंपनी को "सिल्वर अवार्ड" विजेता घोषित किया है। आउटलुक मनी से कंपनी को यह पुरस्कार लगातार पाँचवी बार प्राप्त हुआ है।

कंपनी ने नैशनल पेंशन प्रणाली के अंतर्गत प्वाइंट ऑफ प्रेसेंस के रूप में कार्य करने के लिए विनियामक (पीएफआरडीए) से लाइसेंस प्राप्त कर लिया है। इस संबंध में कंपनी ने डिजिटल पीओपी प्लेटफार्म तैयार किया है और यह मार्च 2020 से पूर्ण रूप से कार्य कर रहा है। कंपनी ने अपने पहले कॉरपोरेट ग्राहक का सफलतापूर्वक पंजीकरण किया है।

10. एसबीआई इन्फ्रा मैनेजमेंट सोल्यूशन्स प्राइवेट लिमिटेड (एसबीआईआईएमएस)

एसबीआईआईएमएस आपके बैंक की पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी है, जिसका गठन 17 जून 2016 को किया गया। यह कंपनी अखिल भारतीय स्तर पर भारतीय स्टेट बैंक के स्थानीय प्रधान कार्यालय वाले केंद्रों पर 17 मंडल कार्यालयों के साथ कार्य कर रही है। भारतीय स्टेट बैंक के परिसरों और एस्टेट संबंधी मामलों में विशेषीकृत सेवाएँ देना तथा भारतीय स्टेट बैंक के अधिकारियों को गैर-मुख्य गतिविधियों से संबंधित कार्य से मुक्ति दिलाना कंपनी का उद्देश्य है।

एसबीआईआईएमएस ने आपके बैंक से जहां है, जैसा है आधार पर सभी चल रही परियोजनाओं को ले लिया है और उनका कार्य कुशलतापूर्वक कर रहा है। एसबीआईआईएमएस ने पूरे भारत में भारतीय स्टेट बैंक के पुराने साइनेज के स्थान पर "एकसमान साइनेज परियोजना" को सफलतापूर्वक पूरा किया है। एसबीआईआईएमएस ने आपके बैंक की प्रतिष्ठात्मक "एकसमान शाखा सुंदरीकरण परियोजना" को पूरा करने की चुनौती भी ली है, जिससे भारतीय स्टेट बैंक की शाखाएं और भी सुंदर एवं आकर्षक बन जाएंगी।

11. एसबीआई फाउंडेशन

एसबीआई एवं उसके सहयोगियों द्वारा कॉरपोरेट सामाजिक दायित्वों से जुड़े कार्यों पर योजनाबद्ध तरीके से ध्यान केंद्रित करने के लिए कंपनी अधिनियम (2013) की धारा VIII की कंपनी के तौर पर भारतीय स्टेट बैंक द्वारा वर्ष 2015 में एसबीआई फाउंडेशन की स्थापना की गई।

एसबीआई फाउंडेशन का लक्ष्य वंचित एवं कमज़ोर समुदाय के सामाजिक-आर्थिक कल्याण की दिशा में काम करते हुए समाज से अर्जित संसाधनों में से कुछ राशि सामाजिक कार्यों में लगाना है। आपका बैंक पूरे देश में 'बैंकिंग से परे सेवा' उपलब्ध कराने की दृष्टि से जनसाधरण के जीवन को प्रभावित करने की दिशा में सक्रियता से कार्यरत है।

वर्तमान में एसबीआई फाउंडेशन किसी क्षेत्र, भाषा, जाति, धर्म आदि के आधार पर भेदभाव किए बिना सभी भारतीयों की सेवा के लिए समावेशी विकास प्रतिमान सृजित करने की दृष्टि से तथा अग्रसर भारत को गति देने के उद्देश्य से विभिन्न परियोजनाओं पर काम कर रहा है। वित्त वर्ष 2020 के लिए एसबीआई फाउंडेशन ने कॉरपोरेट सामाजिक दायित्व के तहत कुल ₹ 14.65 करोड़ व्यय किए हैं। बैंक एवं उसके सहयोगियों से ₹ 27.81 करोड़ का अनुदान प्राप्त हुआ था। शेष/व्यय न की गई निधियों को चल रही विभिन्न परियोजनाओं के लिए रखा गया है और इनका उपयोग आने वाले महीनों में किया जाएगा।

एसबीआई फाउंडेशन द्वारा किए जाने वाले महत्वपूर्ण कार्य नीचे दिए गए हैं:

- **प्रमुख कार्यक्रम**: एसबीआई फाउंडेशन के तीन प्रमुख कार्यक्रम हैं:
  - i) एसबीआई यूथ फॉर इंडिया: एसबीआई यूथ फॉर इंडिया (वाईएफआई) एक 13 महीनों का ग्रामीण कार्यक्रम है, जो भारत के बेहतरीन युवा लोगों को ग्रामीण समुदायों के लिए कार्य करने हेतु जोड़ देता है।
  - ii) दिव्यांग व्यक्तियों के लिए उत्कृष्टता केंद्र: यह दिव्यांग व्यक्तियों को साधिकार देने के लिए उन्हें केंद्रीकृत सहायता प्रदान करने का कार्यक्रम है।
  - iii) एसबीआई ग्राम सेवा-इस कार्यक्रम का उद्देश्य भारत के 6 राज्यो के 50 गाँवों का समग्र विकास करना है। एसबीआई फाउंडेशन को आबंटित राशि में से लगभग 55% राशि का व्यय प्रमुख कार्यक्रमों के लिए किया गया।
- **शिक्षा के अंतर्गत कार्यक्रम:** वंचित वर्ग के विकास में आमूलचूल परिवर्तन लाने के लिए शिक्षा सबसे शक्तिशाली और परखा हुआ तरीका है। इस दिशा में भारत के शिक्षा क्षेत्र के प्रमुख अवरोधों को दूर करना भारतीय स्टेट बैंक का लक्ष्य है। इसके लिए अहमदाबाद की गंदी बस्तियों के बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की सुविधा देने, मेघालय के 3,000 आंगनवाडी केन्द्रों में शिक्षा की गुणवत्ता को मजबूत करने जिससे 60,000 छात्रों को लाभ मिलेगा और बच्चों एवं उनकी देखरेख करने वालों को वैयक्तिक सुरक्षा शिक्षा एवं शिशु यौन शोषण रोकने का प्रशिक्षण देने जैसे कार्य आपके बैंक द्वारा किए गए हैं। वित्त वर्ष 2020 में शिक्षा परियोजनाओं पर 11% निधियों का उपयोग किया गया।
- **स्वास्थ्य सेवा परियोजनाएं:** एसबीआई फाउंडेशन समाज के वंचित वर्ग के जीवन में सकारात्मक योगदान देने के लिए प्रतिबद्ध है। वह इसके लिए अच्छे स्वास्थ्य एवं कल्याण हेतु गुणवत्ता वाली मुफ्त एवं सुलभ स्वास्थ्य सेवा उपलब्ध कराने के लिए कई प्रकार के पहल कर रहा है। इनमें अंग दान,

घर पर मरणासन्न रोगियों की सेवा एवं रोगनाशक उपचार सेवाएँ, न सुन पाने वाले बच्चों के लिए सुनने के यंत्र देने, कैंसर रोगियों के लिए चिकित्सा सहायता, चार पहिया वाहनों पर स्वास्थ्य सेवाएँ प्रदान करने एवं स्किलिंग परीक्षण का समर्थन कर लाल खून की कोशिका के नुकसान को कम करने जैसे पहल शामिल हैं। वित्त वर्ष 2020 में स्वास्थ्य सेवा परियोजनाओं पर 13% निधियों का उपयोग किया गया।

- **स्वास्थ्य रक्षा पर फ्लैगशिप प्रोग्राम की शुरुआत:** कोविड-19 से उत्पन्न गंभीर चुनौती और स्वास्थ्य क्षेत्र पर इसके प्रतिकूल प्रभाव को देखते हुए फाउंडेशन ने हेल्थकेयर पर एक नया प्रमुख कार्यक्रम शुरू किया है। इसका उद्देश्य समान विचारधारा वाले संगठनों के सहयोग से भारत में कोविड-19 को हराने के लिए सहयोगात्मक हस्तक्षेपों के संभावित क्षेत्रों की पहचान करना और उन्हें लागू करना है, जिससे कि स्वास्थ्य संरचना और निदान सुविधाओं, रोगी प्रबंधन को बेहतर बनाया सके, स्वास्थ्य कर्मचारियों की क्षमता बढ़ाया जा सके और जनता के लिए सामान्य जागरूकता पैदा किया जा सके।

एसबीआई द्वारा प्रायोजित आरआरबी

हमारे देश की दो तिहाई आबादी ग्रामीण - भारत में निवास करती है, और यह भारतीय बैंकिंग क्षेत्र के लिए विशाल लेकिन कम पहुंच वाला क्षेत्र है। हमारे द्वारा प्रायोजित क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक का विशाल नेटवर्क महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए सुस्थापित है तथा उसके पास इस परिदृश्य से निपटने की पूरी संभावना है। क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक अपने विशाल खाता आधार एवं दशकों की अर्जित विश्वास सेवा परंपरा के कारण अन्यों की तुलना में बेहतर स्थिति में हैं। इसमें ग्रामीण ग्राहकों के साथ उनकी निकटता बढ़ती जाती है।

- भारतीय स्टेट बैंक के 15 क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक हैं, जो कि 15 विभिन्न राज्यों में कारोबार कर रहे हैं। इन आरआरबी की कुल 5,318 शाखाएं हैं, जो 226 जिलों (31 दिसंबर 2020 तक) में फैली हैं।
- इलाकाई देहाती बैंक (36.27%), मध्यांचल ग्रामीण बैंक (35.46%) एवं उत्कल ग्रामीण बैंक (36.51%) को छोड़कर प्रत्येक आरआरबी में 31 मार्च 2020 को भारतीय स्टेट बैंक की 35% हिस्सेदारी है, जबकि भारत सरकार के पास 50% तथा बकाया 15% की हिस्सेदारी संबंधित राज्य सरकार के पास है।
- एसबीआई प्रायोजित आरआरबी भी देश में परिचालित वाणिज्यिक बैंकों के समान ही बैंकिंग सेवाएं प्रदान करते हैं। इन बैंकों ने बेहतरीन कार्यप्रणाली अपनाई है तथा अपने ग्राहक केंद्रित दृष्टिकोण द्वारा ग्रामीण एवं अर्ध शहरी क्षेत्रों के ग्राहकों की बढ़ती हुई मांगों को पूरा करने की स्थिति में हैं।

12. क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक

भारतीय स्टेट बैंक द्वारा प्रायोजित क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों में भारतीय स्टेट बैंक के स्वामित्व का प्रतिशत

क्र	क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक का नाम	%
1	आंध्र प्रदेश ग्रामीण विकास बैंक	35.00%
2	अरुणाचल प्रदेश ग्रामीण बैंक	35.00%
3	छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण बैंक	35.00%
4	इलाकाई देहाती बैंक $$	36.27%
5	झारखंड राज्य ग्रामीण बैंक	35.00%
6	मध्यांचल ग्रामीण बैंक##	35.46%
7	मेघालय ग्रामीण बैंक	35.00%
8	मिजोरम ग्रामीण बैंक	35.00%
9	नागालैंड ग्रामीण बैंक	35.00%
10	पूर्वांचल बैंक	35.00%
11	राजस्थान मरुधरा ग्रामीण बैंक	35.00%
12	सौराष्ट्र ग्रामीण बैंक	35.00%
13	तेलंगाना ग्रामीण बैंक	35.00%
14	उत्कल ग्रामीण बैंक**	36.51%
15	उत्तराखंड ग्रामीण बैंक	35.00%

$$ प्रयोजक बैंक एवं राज्य सरकार ने अनुमोदित नई शेयर पूंजी में अपने हिस्से के रूप में क्रमशः 5.48 करोड़ रुपए एवं 2.35 करोड़ रुपए ले आए हैं। चूंकि केंद्र सरकार द्वारा अपने हिस्से के रूप में 7.83 करोड़ रुपए की शेयर पूंजी ले आना बाकी है, अतः केंद्र सरकार द्वारा शेष पूंजी ले आने पर हमारा हिस्सा 35% होगा।

प्रयोजक बैंक एवं भारत सरकार ने अनुमोदित नई शेयर पूंजी में अपने हिस्से के रूप में क्रमशः 8.91 करोड़ रुपए एवं 12.73 करोड़ रुपए ले आए हैं। चूंकि मध्य प्रदेश सरकार द्वारा शेयर पूंजी के आनुपातिक हिस्से के रूप में 3.82 करोड़ रुपए की शेयर पूंजी ले आना बाकी है, अतः मध्य प्रदेश सरकार द्वारा शेष पूंजी ले आने पर हमारा हिस्सा 35% होगा।

**प्रायोजक बैंक एवं भारत सरकार ने अनुमोदित नई शेयर पूंजी में अपने हिस्से के रूप में क्रमशः 93.856 करोड़ रुपए एवं 134.08 करोड़ रुपए ले आए हैं। चूंकि ओडिशा सरकार द्वारा शेयर पूंजी के आनुपातिक हिस्से के रूप में 40.22 करोड़ रुपए ले आना बाकी है, अतः ओड़ीसा सरकार द्वारा शेष पूंजी ले आने पर हमारा हिस्सा 35% होगा।

वित्त वर्ष 2020 के व्यवसाय के उल्लेखनीय तथ्य:

- 31 मार्च 2020 को 15 आरआरबी की समग्र जमाराशियां एवं अग्रिम क्रमशः ₹1,07,539 करोड़ एवं ₹ 62,469 करोड़ थी।
- समीक्षाधीन वर्ष के दौरान लगातार चुनौतीपूर्ण व्यापक आर्थिक परिवेश के बाद भी पिछले वर्ष की तुलना में बैंक के कारोबार में सुधार हुआ। जमाराशियों में 11.59% तथा अग्रिमों में 11.65% की वर्षानुवर्ष वृद्धि हुई। संविभाग को विविधीकृत करने की विनियोजित कार्यनीति के रूप में क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों ने अपने आवास ऋण में 30.84% की वृद्धि की, जिससे यह 7,492.21 करोड़ रुपए हो गया।
- वित्त वर्ष 2019-20 के दौरान 1,589.63 करोड़ रुपए के पेंशन के प्रावधान के बावजूद सभी आरआरबी ने मिलकर ₹260.29 करोड़ का शुद्ध लाभ अर्जित किया है। बैंकों ने अपने प्रमुख बैंकिंग व्यवसाय पर केंद्रित रहकर, शुल्क आय को बेहतर करके एवं परिचालन लागत पर नियंत्रण रखते हुए अपनी आय में सुधार किया है।
- वर्तमान वित्त वर्ष में सभी आरआरबी का कुल मिलाकर सकल अनर्जक आस्ति अनुपात सुधरकर 6.37% हो गया है, जबकि वित्त वर्ष 2018-19 में यह 6.97% था। पिछले वित्त वर्ष में शुद्ध एनपीए 3.32% था, जो अब 2.78% प्रतिशत रह गया है।
- चालू वित्त वर्ष में प्रति कर्मचारी व्यवसाय में ₹ 8.44 करोड़ (31 मार्च 2020 तक) का सुधार हुआ है, जो पिछले वित्त वर्ष में ₹ 7.35 करोड़ था।

वित्त वर्ष 2020 की प्रमुख घटनाएं:

समीक्षाधीन वर्ष में कई महत्वपूर्ण घटनाएं घटित हुई हैं, जिनमें से कुछ निम्नानुसार हैं:

- जनवरी 2019 में, झारखंड राज्य में संचालित सभी आरआरबी के समामेलन संबंधी भारत सरकार के निर्देशानुसार बैंक की 35% हिस्सेदारी वाले 'वनांचल ग्रामीण बैंक' का समामेलन वित्त मंत्रालय, भारत सरकार की योजना के तहत की गई व्यवस्था के माध्यम से झारखंड ग्रामीण बैंक में कर दिया गया, जिसका प्रायोजक बैंक ऑफ इंडिया है। 1 अप्रैल 2019 से भारतीय स्टेट बैंक के प्रयोजन में नए क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक का नाम "झारखंड राज्य ग्रामीण बैंक होगा"।
- भारत सरकार द्वारा जारी की गई दिनांक 26 नवंबर 2019 की अधिसूचना के अनुसार हमारे द्वारा प्रायोजित पूर्वांचल बैंक का समामेलन 1 अप्रैल 2020 से बैंक ऑफ बड़ौदा के प्रायोजन में बड़ौदा यूपी बैंक के साथ किया जाएगा।
- 4,718 शाखाओं के नेटवर्क वाले 14 क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक आगामी वर्षों में दक्षतापूर्वक कार्य करने की आशा है। यह एसेट मेनेजमेंट हब नामक केंद्रीकृत ऋण संसाधन प्रणाली शुरू जाने के कारण हुआ।

अनुसूची V, भाग-ख, प्रबंध मंडल विवेचन एवं विश्लेषण :

सेबी (सूचीकरण बाध्यताएँ एवं प्रकटन आवश्यकताएँ) (संशोधन) विनियम 2018 के अनुपालन में निम्नलिखित अनुपातों में 25% से अधिक परिवर्तन हुआ है, जिनकी जानकारी नीचे दी गई है :

(% में)	मार्च 19	मार्च 20	परिवर्तन (आधार अंक)	% परिवर्तन
शुद्ध लाभ मार्जिन	0.31	4.79	448	1453.11
शुद्ध मालियत पर प्रतिलाभ	0.48	7.74	725	1495.77

शुद्ध लाभ मार्जिन :

शुद्ध लाभ में वर्षानुवर्ष 1580.31% (वित्त वर्ष 19 के 862 करोड़ रुपए के लाभ की तुलना में वित्त वर्ष 20 में 14,488 करोड़ रुपए का निवल लाभ) की वृद्धि दर्ज की गई, जबकि कुल आय में वर्षानुवर्ष केवल 8.19% (वित्त वर्ष 19 में 2,79,644 करोड़ रुपए की तुलना में वर्ष 20 में 3,02,545 करोड़ रुपए) की वृद्धि हुई।

शुद्ध मालियत पर प्रतिलाभ :

शुद्ध लाभ में वर्षानुवर्ष 1580.31% (वित्त वर्ष 19 के 862 करोड़ रुपए के लाभ की तुलना में वित्त वर्ष 20 में 14.488 करोड़ रुपए का निवल लाभ) की वृद्धि दर्ज की गई, जबकि बैंक की शुद्ध मालियत में वर्षानुवर्ष मात्र 9.79% (वित्त वर्ष 19 में 1,78,552 करोड़ रुपए की तुलना में वित्त वर्ष 20 में 1,96,037 करोड़ रुपए) की वृद्धि हुई।

मोहाली (पंजाब) प्रशासनिक कार्यालय के नए परिसर का उद्घाटन करते हुए बैंक के अध्यक्ष माननीय श्री रजनीश कुमार

VI. उत्तरदायित्व वक्तव्य

निदेशक बोर्ड एतदद्वारा सूचित करता है कि :

i. वार्षिक लेखे तैयार करते समय लागू लेखा मानकों का समुचित अनुपालन किया गया है और महत्वपूर्ण विचलनों की स्थिति में समुचित स्पष्टीकरण दिया गया है;

ii. उन्होंने ऐसी लेखा नीतियों का चयन एवं उनका सुसंगत प्रयोग किया है और ऐसे निर्णय तथा प्राक्कलन किए हैं, जो 31 मार्च 2020 को बैंक के कार्यकलाप और उक्त दिनांक को समाप्त वर्ष हेतु बैंक की लाभ और हानि की सही एवं निष्पक्ष स्थिति दर्शाने के लिए पर्याप्त एवं विवेकसम्मत हैं;

iii. उन्होंने बैंक की आस्तियों की सुरक्षा करने और धोखाधड़ी तथा अन्य अनियमितताओं को रोकने तथा उनका पता लगाने के लिए बैंककारी विनियमन अधिनियम, 1949 और भारतीय स्टेट बैंक अधिनियम, 1955 के प्रावधानों के अनुसार पर्याप्त लेखा रिकार्ड रखने हेतु समुचित एवं पर्याप्त सावधानी बरती है;

iv. उन्होंने वार्षिक लेखों को वर्तमान और भावी सतत अपेक्षाओं के अनुसार तैयार किया है;

v. बैंक द्वारा अनुपालन किए जाने के लिए आंतरिक वित्तीय नियंत्रण निर्धारित किए गए हैं तथा ऐसे आंतरिक वित्तीय नियंत्रण पर्याप्त हैं और प्रभावी रूप से कार्य कर रहे हैं; और

vi. सभी प्रयोज्य क़ानूनों के प्रावधानों का अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए उपयुक्त प्रणाली तैयार की गई है तथा ऐसी प्रणाली पर्याप्त है और प्रभावी रूप से कार्य कर रही है।

VII. आभार

वर्ष के दौरान, श्री रवि मित्तल जो श्री रवि कुमार के स्थान पर 8 अगस्त 2019 से निदेशक के रूप में निर्वाचित हुए थे, के स्थान पर श्री देवाशीष पांडा भारतीय स्टेट बैंक अधिनियम, 1955 की धारा 19 (ग) के तहत 24 जनवरी 2020 से शेयरधारकों के निदेशक के रूप में निर्वाचित हुए। श्री संजीव माहेश्वरी भारतीय स्टेट बैंक अधिनियम, 1955 की धारा 19 (घ) के तहत 20 दिसंबर से निदेशक के रूप में निर्वाचित हुए तथा श्री चल्ला श्रीनिवासुलु सेट्टी 20 जनवरी 2020 से बोर्ड में प्रबंध निदेशक के रूप में नियुक्त किए गए।

श्रीमती अंशुला कान्त, प्रबंध निदेशक 31 अगस्त 2019 से बोर्ड से त्यागपत्र दिया तथा श्री पी के गुप्ता, प्रबंध निदेशक अधिवर्षिता आयु पर सेवानिवृत्त हुए। भारत सरकार द्वारा धारा 19 (घ) के अंतर्गत नियुक्त डॉ गिरीश आहुजा, निदेशक का कार्यकाल 5 फरवरी 2020 को पूरा हुआ। डॉ पुष्पेंद्र राय को भारतीय स्टेट बैंक अधिनियम, 1955 की धारा 19 (घ) के तहत भारत सरकार द्वारा 6 फरवरी 2019 से दो वर्षों की अवधि के लिए निदेशक के रूप में पुनः नामित किया गया।

निदेशक बोर्ड ने प्रबंध निदेशक श्रीमती अंशुला कान्त तथा निदेशक श्री राजीव कुमार, श्री रवि मित्तल एवं डॉ गिरीश आहुजा द्वारा बोर्ड की चर्चाओं में दिए गए योगदान की सराहना की है। निदेशकों ने नए निदेशक श्री संजीव महेश्वरी, श्री देवाशीष पांडा एव प्रबंध निदेशक श्री चल्ला श्रीनिवासुलु सेट्टी का बोर्ड में स्वागत किया।

निदेशकों ने भारत सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक, सेबी, आईआरडीए और अन्य सरकारी एवं विनियामक एजेंसियों से प्राप्त मार्गदर्शन और सहयोग के लिए भी अपनी कृतज्ञता प्रकट की है।

निदेशकों ने सभी महत्वपूर्ण ग्राहकों, शेयरधारकों, बैंक और वित्तीय संस्थाओं, शेयर बाज़ारों, रेटिंग एजेंसियों और अन्य हितधारकों को भी उनके संरक्षण एवं सहयोग के लिए धन्यवाद दिया और बैंक के कर्मचारियों के समर्पण भाव एवं प्रतिबद्धता की उन्होंने सराहना की है।

केंद्रीय निदेशक बोर्ड के
लिए और उनकी ओर से

अध्यक्ष

दिनांक : 5 जून 2020